श्री उत्पल कुमार सिंह, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा दिनांक 28.10.2017 को श्री केदारनाथ धाम क्षेत्र में गतिमान पुनर्निर्माण कार्यो एवं श्री केदारनाथ से भीमबली तक पैदल यात्रा मार्ग की भ्रमण/स्थलीय निरीक्षण आख्या

दिनांक 28.10.2017 को मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रमुख सचिव सिंचाई, सचिव पर्यटन, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग, पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग, मुख्य अभियंता सिंचाई, मुख्य अभियंता लो0नि0वि0, अधीक्षण अभियंता सिंचाई, अधीक्षण अभियंता लो0नि0वि0, एन.आई.एम. तथा जे0एस0डब्लू ग्रुप के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में श्री केदारनाथ धाम में गतिमान आपदा पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने के उपरान्त समस्त अधिकारियों के साथ केदारनाथ से भीमबली तक पैदल यात्रा मार्ग का स्थलीय भ्रमण करते हुए गहनता से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत विस्तृत विचार–विमर्श कर श्री केदारनाथ पुनर्निर्माण हेतु निम्न निर्देश दिये गये :–

1– श्री केदारनाथ के पुनर्निर्माण कार्यो हेतु मत स्थिर हुआ कि कार्यों को अलग–अलग क्षेत्र से कराये जाने के बजाए पूरे क्षेत्र हेतु एक पुनर्निर्माण का अनुमोदन एक साथ ही प्राप्त कर लिया जाए एवं विभिन्न चरणों में इन कार्यों को सम्पादित करा लिया जाए। इस संबंध में पर्यटन विभाग को निर्देशित किया गया कि वह JSW ग्रुप के architect के साथ कार्य कर शीघ्र कार्य योजना तैयार करना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन विभाग एवं /JSW ग्रुप)

2– मुख्य सचिव महोदय द्वारा केदारनाथ मंदिर के पीछे के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस क्षेत्र में बड़े–बड़े बोल्डर्स एवं मलवा पाया गया। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा सुझाव दिया गया कि इस मलवे एवं बोल्डर्स को हटाकर सुव्यवस्थित रूप से रखा जाए JSW ग्रुप के architect श्री नकुल शाह द्वारा अवगत कराया गया कि केदारनाथ मंदिर के पीछे पार्क का निर्माण पुर्ननिर्माण कार्यों का ही भाग है, जिसे मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा भी कराये जाने की अपेक्षा की गई है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा पुनः कहा गया कि इसे एक बुग्याल की भांति विकसित किया जाए ताकि तीर्थ यात्री यहां बैठ सकें एवं मंदिर के भव्य दृश्य का आनन्द उठा सकें। इस क्षेत्र की land scaping अनुभवी architect के माध्यम से कराई जाए। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0 को निर्देशित किया गया गया कि एक सप्ताह अन्तर्गत उक्त कार्य की DPR तैयार करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही NIM को निर्देशित किया गया कि आगामी यात्रा से पूर्व उक्त कार्य को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रमुख अभियंता लो0नि0वि0 /प्रधानाचार्य NIM)

3– मुख्य सचिव महोदय द्वारा केदारनाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया। मा0 प्रधानमंत्री जी को दिनांक 27.10.2017 को दिये गये प्रस्तुतीकरण में उनके द्वारा यह अपेक्षा की गई थी कि केदारनाथ मंदिर के परिसर को यथासंभव विकसित किया जाए। मुख्य सचिव महोदय द्वारा केदारनाथ मंदिर परिसर के निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि परिसर के आगे खाली जगह है, जिसे सरकार द्वारा अधिगृहीत किया गया है जिससे मंदिर के चबूतरे/परिसर को 40 से 45 फिट तक आगे बढ़ाया जा सकता है। मंदिर के दांये भाग पर काफी भूमि खाली पड़ी हुई पायी गई, जिसे मंदिर के परिसर के विस्तारीकरण के रूप में भी उपयोग में लाया जा सकता है।

इसी प्रकार मंदिर के बांयी तरफ बदरी–केदार मंदिर समिति का जूते–चप्पल उतारने हेतु छोटा भवन स्थापित है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि इसी भवन के बगल में बदरी–केदार मंदिर समिति की भोगशाला (भगवान का प्रसाद बनाने के लिये भवन) का निर्माण किया जा रहा है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि जूता–चप्पल उतारने हेतु बनाये गये भवन को ध्वस्त करते हुए निर्माण कार्य को रोका जाए एवं बांयी ओर भी मंदिर परिसर का यथा संभव विस्तार किया जाए। मंदिर परिसर के आगे एक घर काफी आगे बढ़ाया हुआ है। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा पृच्छा करने पर जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि यह भवन अभी acquire नही किया गया है। मा0 प्रधानमंत्री जी की अपेक्षानुसार यदि मंदिर के भव्य दृश्य को बनाये रखना है तो मंदिर के आगे दृश्य अक्ष को पूर्ण रूप से खाली रखा जाना अति आवश्यक है। अतः जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि architect के माध्यम से एक सप्ताह अन्तर्गत पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण कर यह निर्धारित कर लें कि मा0 प्रधानमंत्री जी की अपेक्षानुसार दृश्य अक्ष को खुला बनाने के लिये किन–किन भवनों को ध्वस्त करने की आवश्यकता पड़ेगी। JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह को एक सप्ताह के अन्दर इस संबंध में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को अवगत करायेंगे एवं जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करते हुए संबंधित भवन स्वामियों से नेगोशियेशन/acquistion कर लें एवं आगामी यात्रा से पूर्व मा0 प्रधानमंत्री जी की अपेक्षानुसार मंदिर के दृश्य अक्ष को यथासंभव खुला रखने हेतु कार्यवाही करें। मुख्य सचिव महोदय द्वारा मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0 को निर्देशित किया गया कि JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह से विस्तार में चर्चा कर DPR तैयार करें एवं परिसर के विस्तारीकरण एवं पहुंच मार्ग के सौन्दर्यीकरण का कार्य भी आगामी यात्रा से पूर्व पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/मुख्य अभियंता लो0नि0वि0 /प्रधानाचार्य NIM /पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग/श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि JSW ग्रुप)

4– मुख्य सचिव महोदय द्वारा श्री केदारनाथ धाम में निर्मित Three tier protection wall के निरीक्षण के दौरान सुझाव दिया गया कि RCC दीवार का इस प्रकार निर्माण किया

जाये कि वह आस–पास की प्राकृतिक संरचनाओं से मेल खाए जैसे बड़ी–बड़ी घास लगाकर अथवा इस प्रकार से रंग–रोगन किया जाए कि आस–पास की प्राकृतिक संरचनाएं अलग न लगें।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/ प्रधानाचार्य NIM/पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग/श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि JSW ग्रुप)

5– मुख्य सचिव महोदय द्वारा मंदाकिनी नदी का भी निरीक्षण किया गया। अधीक्षण अभियंता, सिंचाई विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि मंदाकिनी नदी पर सुरक्षा दीवार के design पर कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि मंदाकिनी नदी तट पर सुरक्षा दीवार का निर्माण इस प्रकार किया जाए कि सुरक्षा दीवार के द्वारा नदी के उच्चतम बाढ़ स्तर (HFL) में व्यवधान उत्पन्न न किया जाए। सुरक्षा दीवार लगाने पर कुछ भूमि भी प्राप्त हो सकेगी। मुख्य सचिव महोदय अधीक्षण अभियंता, सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि मंदाकिनी नदी पर सुरक्षा दीवार लगाये जाने का मुख्य उद्देश्य केदारपुरी की सुरक्षा है। अतः सुरक्षा दीवार की नींव नदी के मूल तल तक रखी जाए। ताकि बाढ़ की स्थिति में केदारपुरी की सुरक्षा हो सके। अधीक्षण अभियंता, सिंचाई विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि मंदाकिनी नदी के तट की सुरक्षा दीवार NIM द्वारा बनाये गये three tier protection wall के आखिरी कोने से शुरू होकर संगम तक बने घाट तक जायेगी। इस पर सचिव पर्यटन द्वारा सुझाव दिया गया कि नदी के मूल स्तर का अध्ययन करते हुए सुरक्षा दीवार को इस प्रकार बनाया जाए कि नदी अपने मूल स्थान पर आ सके परन्तु साथ ही नदी के लिये सुरक्षित रूप से बहने के लिये अधिकतम चौड़ाई भी छोड़ दी जाए ताकि वर्षाकाल में एवं बाढ़ की स्थिति में नदी का पानी केदारपुरी में प्रवेश न कर सके। सचिव पर्यटन द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि सिंचाई विभाग सुरक्षा दीवार को three tier protection wall के अंतिम सिरे से शुरू न करते हुए ऊपर की ओर से भी शुरू कर सकते हैं। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग को नदी तल का सम्पूर्ण अध्ययन करते हुए आगामी 10 नवम्बर, 2017 तक इस कार्य की DPR तैयार करने के निर्देश दिये गये। JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह को निर्देशित किया गया कि वे दोनों कार्यदायी संस्थाओं (सिंचाई विभाग एवं NIM) से समन्वय बनाना सुनिश्चित करें ताकि दोनों दीवारों की गुणवत्ता एवं एकरूपता सुनिश्चित की जा सके।

(कार्यवाही–प्रमुख सचिव सिंचाई/सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/मुख्य अभियंता सिंचाई/प्रधानाचार्य NIM/श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि JSW ग्रुप)

6– इसके पश्चात मुख्य सचिव महोदय द्वारा सरस्वती नदी के तट पर बनने वाली सुरक्षा दीवार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान NIM के प्रतिनिधि श्री सोबन बिष्ट द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त सुरक्षा दीवार three tier protection wall के एक कोने से प्रारम्भ होकर मंदाकिनी एवं सरस्वती नदी के संगम घाट तक जायेगी। इससे

कुछ भूमि भी प्राप्त हो सकेगी। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा NIM को निर्देशित किया गया कि उक्त कार्य की गुणवत्ता बनाये रखना सुनिश्चित करें एवं समयान्तर्गत उक्त कार्य को पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा मुख्य सचिव महोदय को अवगत कराया गया कि मंदाकिनी एवं सरस्वती नदियों के संगम के आगे नदी द्वारा GMVN के नये गेस्ट हाउस के नीचे कटाव किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह को निर्देशित किया गया कि नये GMVN गेस्ट हाउस/कॉटेजेज के नीचे की सुरक्षा दीवार का निर्माण सरस्वती नदी के तट पर बनने वाले घाट/सुरक्षा दीवार के कार्य में ही सम्मिलित कर लिया जाए। JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह द्वारा इस संबंध में साकारात्मक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। मुख्य सचिव महोदय द्वारा अधीक्षण अभियंता सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि इस कार्य की DPR एक सप्ताह अन्तर्गत तैयार कर JSW ग्रुप को अवगत करायें ताकि JSW ग्रुप द्वारा इस संबंध में ससमय साकारात्मक कार्यवाही की जा सके।

(कार्यवाही–प्रमुख सचिव सिंचाई/सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता सिंचाई/प्रधानाचार्य NIM/श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि JSW ग्रुप)

7– मुख्य सचिव महोदय द्वारा श्री केदारनाथ मंदिर के मार्ग का निरीक्षण करने पर पाया गया कि कुछ भवनों की संरचना काफी जीर्ण–शीर्ण प्रकृति की हो गई है, जिससे केदारपुरी के आध्यात्मिक रूप में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह से अपेक्षा की गई कि वे इस प्रकार architecture उपलब्ध करायें एवं यह सुझाव दें कि किस प्रकार से इन भवनों को श्री केदारनाथ एवं पहाड़ी architecture के अनुरूप बनाया जा सकें।इस संबंध में JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह को अध्ययन करने के पश्चात सुझाव देने हेतु निर्देशित किया गया।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/मुख्य अभियंता लो0नि0वि0/ प्रधानाचार्य NIM/श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि JSW ग्रुप)

8– मुख्य सचिव महोदय द्वारा GMVN के नये गेस्ट हाउस के ऊपर NIM द्वारा बनायी जा रही debris protection wall एवं two tier drainage system कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा NIM के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि उक्त कार्य निर्धारित समय अन्तर्गत पूर्ण करायें एवं कार्य की गुणवत्ता भी बनाये रखना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रधानाचार्य छप्ड)

9– मुख्य सचिव महोदय द्वारा पुराने घोड़ा पड़ाव व पुराने GMVN को मुख्य केदारपुरी से जोड़ने की पृच्छा की गई। इस संबंध में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त कार्य पूर्व में ही NIM को स्वीकृत हो चुके हैं। NIM के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि बैली ब्रिज को क्रय किये जाने की प्रक्रिया गतिमान है। मुख्य सचिव

महोदय द्वारा NIM के प्रतिनिधि को आगामी 01 माह अन्तर्गत बैली ब्रिज क्रय करवाते हुए उनका निर्माण करवाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रधानाचार्य NIM)

10– मुख्य सचिव महोदय द्वारा शीतकाल में केदारनाथ में कार्य कराये जाने हेतु GMVN को निर्देशित किया गया कि सम्पूर्ण शीतकाल में कार्य करने वाले मजदूरों तथा कार्मिकों की भोजन व्यवस्था हेतु मैस चलाना सुनिश्चित करेंगे एवं जो भी अधिकारी कार्यों की निगरानी हेतु केदारनाथ में प्रवास करते हैं उनके रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि केदारपुरी में स्थित GMVN के पुराने भवनों में थोड़ा मरम्मत का कार्य कर उन्हें प्रशासनिक कार्यालय के रूप में उपयोग में लाया जा सकता है। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देश दिये गये कि जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को प्रशासनिक कार्यालय हेतु जितने भवनों की आवश्यकता है, उन भवनों को GMVN उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रबन्ध निदेशक GMVN/प्रधानाचार्य NIM)

11– मुख्य सचिव महोदय द्वारा जब मजदूरों/अधिकारियों हेतु शीतकाल में कार्य करने की परिस्थितियों के संबंध में पृच्छा की गई तो सचिव पर्यटन द्वारा सुझाव दिया गया कि वन निगम को निर्देशित किया जाना उचित होगा कि केदारनाथ में अलाव एवं अन्य कार्यों हेतु जलौनी लकड़ी संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को उपलब्ध करायी जाए। सचिव पर्यटन द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि मजदूरों को इतनी कठिन परिस्थितियों में कार्य करने हेतु कुछ आवश्यक सुविधायें भी उपलब्ध करायी जानी आवश्यक हैं, जैसे समय–समय पर चाय–बिस्किट की व्यवस्था तथा ऐसे भोजन की व्यवस्था जो कार्य करने वाले मजदूरों को गरम रख सके इत्यादि। इस संबंध में केदारनाथ विकास प्राधिकरण को अधिकृत किया जाए। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग के निवर्तन पर केदारनाथ विकास प्राधिकरण की रखी गई कुछ धनराशि केदारनाथ विकास प्राधिकरण की बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पारित कर नोडल अधिकारी, केदारनाथ पुर्ननिर्माण कार्य को उपलब्ध कराई जाए ताकि वह मजदूरों को समय–समय पर आवश्यक वस्तुयें उपलब्ध करा सकें।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रबन्ध निदेशक GMVN/प्रधानाचार्य NIM)

12– मुख्य सचिव महोदय द्वारा इन कार्यों हेतु BRO से वार्ता करने का सुझाव दिया गया एवं सचिव पर्यटन व जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि इस संबंध में BRO से उपरोक्त कार्य करवाने हेतु वार्ता/पत्राचार करना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रबन्ध निदेशक GMVN/ प्रधानाचार्य NIM/मुख्य अभियंता BRO शिवालिक)

13– कार्य की कठिनाई को देखते हुए मुख्य सचिव महोदय द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि SDRF की एक यूनिट स्थायी रूप से श्री केदारनाथ धाम में तैनात कर दी जाए, जिसका नेतृत्व डिप्टी कमाण्डेंट स्तर का एक अधिकारी करेगा।

(कार्यवाही–पुलिस महानिरीक्षक SDRF, उत्तराखण्ड/पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग।)

14– सचिव पर्यटन द्वारा यह सुझाव दिया गया कि समय रहते श्री केदारनाथ धाम में खाद्यान्न सामग्री का भण्डारण करना सुनिश्चित किया जाना उचित होगा ताकि कार्य करने वाले मजदूरों को खाद्यान्न की कोई समस्या उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि ससमय खाद्य सामग्री का भण्डारण कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–प्रमुख सचिव खाद्य/आयुक्त खाद्य/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रधानाचार्य NIM)

15– मुख्य सचिव महोदय द्वारा श्री केदारनाथ धाम में विद्युत की तारों का निरीक्षण करने के दौरान सुझाव दिया गया कि सभी तारों को भूमिगत (under ground) किया जाए। इस संबंध में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि यह प्रोजेक्ट पूर्व से ही UPCL को स्वीकृत किया जा चुका है। अतः मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देश दिये गये कि जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग UPCL के अधिकारियों के साथ बैठक कर उक्त कार्य को आगामी यात्रा से पूर्व पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/प्रबन्ध निदेशक, UPCL)

16– मुख्य सचिव महोदय द्वारा JSW ग्रुप के प्रतिनिधि श्री शाह को निर्देशित किया गया कि केदारपुरी में सीवरेज सिस्टम, पानी की व्यवस्था, विद्युत लाईन, टेलीफोन लाईन, स्ट्रीट लाईट, आधुनिक शौचालय इत्यादि को पुनर्निर्माण Plan में सम्मिलित करना सुनिश्चित करें एवं इसी Plan के आधार पर संबंधित विभागों को अपने–अपने से संबंधित कार्यों पर कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया जायेगा।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि JSW ग्रुप)

17– मुख्य सचिव महोदय द्वारा मंदाकिनी नदी के दाहिनी ओर उरेडा विभाग के 200 कि0वा0 के पावर प्रोजेक्ट के बारे में पृच्छा की करने पर NIM के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि यह प्रोजेक्ट गत 15 मार्च, 2017 तक पूर्ण किया जाना था, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण उक्त कार्य अभी तक पूर्ण नहीं किया जा सका है। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा उरेडा एवं NIM के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आगामी 15 दिन के अन्तर्गत इस प्रोजेक्ट को क्रियाशील अवस्था में लाना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/निदेशक अक्षय ऊर्जा/प्रधानाचार्य NIM)

18– मुख्य सचिव महोदय द्वारा जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि पुनर्निर्माण कार्यों को कराये जाने हेतु जगह–जगह पर सी.सी.टी.वी. कैमरे स्थापित कराना एवं उनका

access मुख्य सचिव एवं सचिव पर्यटन को भी उपलब्ध करायें, ताकि कार्यों की निगरानी मुख्य सचिव महोदय भी कर सकें। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि मा0 प्रधानमंत्री जी को दिये गये प्रस्तुतीकरण के दौरान मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा यह अपेक्षा की गई थी कि पुर्ननिर्माण कार्यों की निगरानी हेतु ड्रोन कैमरे का भी उपयोग किया जाए। इस संबंध में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि ड्रोन कैमरे से निगरानी हेतु दो ड्रोन कैमरे SDRF/KDA मद अन्तर्गत क्रय करवाना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग)

19– केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों के निरीक्षण उपरान्त मुख्य सचिव महोदय द्वारा केदारनाथ से स्थान भीमबली तक पैदल यात्रा मार्ग का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0 को निर्देशित किया गया कि आगामी यात्रा से पूर्व स्थान रामबाड़ा से केदारनाथ तक के पैदल मार्ग का सुदृढ़ीकरण करना सुनिश्चित करें ताकि आगामी यात्रा सुचारू रूप से संचालित की जा सके। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा यह सुझाव दिया गया कि घोड़ा–खच्चर हेतु स्थान रामबाड़ा से जंगलचट्टी होते हुए केदारनाथ धाम तक मार्ग बनाया जाना उचित होगा। इस पर जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि केदारनाथ से गरूड़चट्टी का मार्ग पूर्व से ही स्वीकृत है, जिस पर लो0नि0वि0 द्वारा कार्य किया जाना है। इस संबंध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0 को निर्देशित किया गया कि स्थान गरूड़चट्टी से रामबाड़ा हेतु भी मार्ग का सर्वेक्षण करा लिया जाए एवं यदि मार्ग निर्माण कराया जाना संभव हो तो आगामी यात्रा में घोड़ा–खच्चर संचालन हेतु स्थान रामबाड़ा से गरूड़चट्टी होते हुए केदारनाथ धाम तक तक के मार्ग पर विचार कर लिया जाए। मुख्य अभियंता, लो0नि0वि0 इस सर्वेक्षण की कार्यवाही को एक सप्ताह अन्तर्गत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/मुख्य अभियंता लो0नि0वि0/ प्रधानाचार्य NIM)

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

उत्तराखण्ड शासन
पर्यटन विभाग
संख्या :–2729/VI(1)/2017–03(31)/2017 T.C
दिनांक 3/अक्टूबर, 2017

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. निजी सचिव, मा0 पर्यटन मंत्री को मा0 पर्यटन मंत्री जी के संज्ञानार्थ
3. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. अपर मुख्य सचिव, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. प्रमुख सचिव, सिंचाई, गृह, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
6. सचिव, पर्यटन, ऊर्जा, राजस्व, पेयजल, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
7. प्रबन्ध निदेशक, GMVN, 74/1 राजपुर रोड़, देहरादून।
8. जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
9. प्रधानाचार्य, NIM, उत्तरकाशी–हाल केदारनाथ।
10. श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि, JSW ग्रुप, बांद्रा ईस्ट, मुम्बई।
11. सम्बन्धित भ्रमण दल के अधिकारीगण।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
Rsingh
(अतुल कुमार सिंह)
अनुसचिव